4. साहित्य कर्मियों के लिए एक राष्ट्रीय कोष की स्थापना की जाय जिससे उनकी रचनाओं को प्रकाशित कराने तथा उन्हें आवश्यक आर्थिक सहायता प्रदान करने की व्यवस्था हो सके ।

5. राजधानी तथा देश के सभी नगरों में लेखकों के लिए एक सार्वजनिक केन्द्र की स्थापना की जाए । जहां वे मिल कर साहित्यक चर्चा कर सकें ।

मैं आशा करती हूं कि उपरोक्त मुद्दों पर विचार करते हुए भारत सरकार इस दिशा में सार्थक कदम उठायेगी । जिससे इन महान साहित्यिक विभूतियों के प्रति अपनी कृतज्ञता सार्थक रूप में व्यक्त कर सकें ।

ठाकुर जगतपाल सिंह (मध्य प्रदेश) : मैं भी इसका समर्थन करता हूं ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Yes, your nam's will be associated,.

Treatment meted out to Writers assigned by Government Institutions to Write for Specific Projects

श्रीमती अमृता प्रीतम (नाम-निर्देशित): मैडम, डिप्टी चेयरमैन, सरकारी संस्थाएं किसी प्रोजेक्ट को लेकर जब अदीबों से कांट्रेक्ट करती हैं तो एक तारीख मुकर्रर की जाती है —डैड लाइन डेट । लेकिन फिर अदीबों की मेहनत दफ्तरों की फाइलों में न जाने कितने सालों पड़ी रहती है । चाहती हूं ऐसे एकतरफा कानून की ओर तवज्जो दी जाए और जिस काम का अरसा काम करने वालों के लिए मुकर्रर किया जाता है उसे इम्पलीमेंट करने का कोई अरसा क्यों नहीं मुकर्रर किया जाता । कई बार ऐसा होता है कि प्रोजेक्ट बदल दिया जाता है या कई सालों के लिए मुल्तवी हो जाता है और अदीबों को उसकी कोई उजरत नहीं दी जाती । इन दिनों एन०सी०ई०आर०टी० ने कितने ही साहित्यकारों को स्क्रिप्ट्स लौटा दिये हैं या लौटाये जा रहे हैं । लिखकर नहीं दिया जबानी कह दिया कि उनका प्रोजेक्ट मुल्तवी हो गया है । कई बार तो स्क्रिप्ट भी लौटाये नहीं जाते । केन्द्रीय हिन्दी डायरेक्टोरेट से कुछ अदीबों ने सात-सात साल के बाद अपने स्क्रिप्ट्स वापस लिये । ये सब कागजात, हवाले मेरे पास मौजूद हैं जिनकी बुनियाद पर यह मसला उठा रही हूं और चाहती हूं कि इस एक तरफा कानून को दो तरफा कर दिया जाये ।

कुमारी सईदा खातून (मध्य प्रदेश) : मैं भी इसका समर्थन करती हूं ।

श्रीमती वीणा वर्मा (मध्य प्रदेश) : मैं भी इसका समर्थन करती हूं ।

Reported Clearance to Shri Ajitabh Bachchan from FERA Violation Charges

SHRI JASWANT SINGH (Rajas-than): Madam, the basis of the special mention that I make is a report that an Indian national resident in the country by the name of Shri Ajitabh Bachchan owning vast assets in India plus business worth crores of rupees has been cleared on FERA charges of illegally owning a flat worth around Bs. 70 to 85 lakhs in Switzerland.

Madam, this rule by cronies, of the cronies, only for the cronies has now really crossed all bounds. A Chaddha is recently exonerated, having been charged only with the most trivial of offences. A Lalit suri eats up roughly Rs. 6-1/2 crores, stashes that money in London for four years and the Government bends over backwards to clear him of all charges. And now we have this report that this long-pending matter about which this House and the other House have often been concerned, has been cleared; -this matter of the Bachchan fiat in Switzerland has been cleared Now, I do not know when this was cleared, whether this fact is correct, whether any such action has been taken by the Government of India, and if it